नशा मुक्त भारत आंदोलन

केजरीवाल! दिल्ली को शराब एवं नशा मुक्त करो फिर पंजाब की बात करो!

नई दिल्ली दिनांक 16 अगस्त 2016

दिल्ली के लालकिला से फत्तेहपुरी मस्जिद तक **नशा मुक्त भारत आंदोलन** के तत्वावधान में स्वामी अग्निवेश, मौलाना मुफ्ती मुकर्रम (इमाम फत्तेहपुरी मस्जिद) साँई मियां मीर इन्टर नेशनल फाउन्डेशन से परमजीत सिंह चंडोक, कुलदीप सिंह भोगल, रविद्र सिंह खुराना, जदयू दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ठाकूर बलवीर सिंह, मुख्तार अहमद, जैन समुदाय से श्री विवेक मुनि, मुस्लिम समुदाय से मौलाना शाहीन, बंधुआ मुक्ति मोर्चा से प्रो० श्योताज सिंह एवं महंत भाई तिवारी आदि के संयुक्त संयोजन एवं नेतृत्व में दिल्ली में पूर्ण शराबबंदी लागू कराने हेतु जनजागरूकता अभियान चलाते हुए, पैदल मार्च करते हुए, भारी संख्या में लोग नारे लगाते हुए बैनर तख्तीयाँ लेकर दिगम्बर जैन मंदिर, गौरीशंकर मंदिर, सेन्ट्रल चर्च, चांदनी चौक, टाउन हॉल होते हुए यह यात्रा फत्तेहपुरी मस्जिद तक की गई।

यही दिल्ली की सरकार है जो अपने चुनावी घोषणा पत्र में दिल्ली में पूर्ण शराबबंदी का वायदा करती है। इसके बावजूद दिल्ली में 58 नये शराब के ठेके खुलवा देती है। आश्चर्य की बात है कि भारत में पहला

राज्य दिल्ली है जहाँ महिलाओं के लिए अलग से शराब के ठेके खोले गये हैं। नैतिकता की हद तब हो गई जब दिल्ली सरकार ने नशा सेवन की उम्र सीमा कम करने जा रही है।

पिछले सप्ताह 9 अगस्त को भी दिल्ली के उपराज्यपाल महोदय श्री नजीब जंग से प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर मांग की थी कि संविधान की धारा 47 को पूरे भारत में अविलंब लागू किया जाए तथा नशाबंदी के मामले में राजधानी दिल्ली को आदर्श राज्य बनाया जाए। नशा विरोधी अभियान को सफल बनाने हेतु अधिक से अधिक बजट का प्रावधान भी किया जाए ताकि दिल्ली नशा के दलदल से मुक्त हो सके।

स्वामी अग्निवेश जी ने कहा कि बिहार सरकार ने शराबबंदी लागू करके एक नया इतिहास रचने का काम किया है। उनके सकारात्मक परिणामों को देखते हुए यह संकल्प लिया कि पूरे देश में इस जन आंदोलन को ले जाया जाएगा और दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल के पाखण्ड का पर्दाफाश किया जायगा कि पंजाब में तो वे नशामुक्ति का वादा कर चुनाव लड़ रहे हैं और दिल्ली में जनविरोध के बावजूद भी 58 नये ठेके खोलकर दिल्ली को शराब में डुबो रहे हैं। केजरीवाल की गलत नीतियों का परिणाम है कि दिल्ली में बलात्कार और अपराध की संख्या कम नहीं हो रही है बल्कि बढ़ती जा रही है इसलिए सरकार दिल्ली को पूर्ण तरीके से नशा मुक्त करे ताकि अपराध मुक्त दिल्ली हो सके। स्वामी अग्निवेश ने दिल्ली राज्य में न्यूनतम मज़दूरी बढ़ाने का स्वागत करते हुए पूछा कि क्या यह बढ़ी मज़दूरी का लाभ नशाखोरी की भेंट नहीं चढ़ जायगा? मज़दूरी बढ़ाने का पूरा लाभ तभी है जब शराब के ठेके भी बंद किये जायें।

दलसिंगार
मीडिया कोऑर्डिनेटर
मो०.9871382237,011. 23367943